ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 04-08-2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-08-04 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-08-05	2023-08-06	2023-08-07	2023-08-08	2023-08-09
वर्षा (मिमी)	45.0	15.0	70.0	10.0	20.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	31.0	29.0	30.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	25.0	24.0	24.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	90	95	95	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	55	65	75	70	65
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	8	9	8	6
पवन दिशा (डिग्री)	110	90	90	110	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (28 जुलाई-3 अगस्त) में 117.0 मिमी बारिश दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 30.0 से 34.5 डिग्री सेल्सियस और 24.5 से 27.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह अधिकांश दिन आसमान में बादल छाए रहे। सुबह की सापेक्ष आर्द्रता 0712 बजे 85 से 95% के बीच और शाम की सापेक्ष आर्द्रता 1412 बजे 70 से 90% के बीच रही। हवा की गति 0.2 से 2.6 किमी प्रति घंटा और हवा की दिशा अधिकतर उत्तर-उत्तर-पूर्व की ओर रही। आने वाले पांच दिनों का पूर्वानुमान 9 जुलाई तक हल्की से भारी वर्षा (10-70 मिमी) दिखा रहा है जबकि अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 29-32 डिग्री सेल्सियस और 24-25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हवा की गति 6-9 किमी प्रति घंटे के बीच होगी और हवा की दिशा अधिकतर पूर्व रहेगी। अधिकांश स्थानों पर 4, 5, 6 और 8 अगस्त को हल्की से मध्यम बारिश/आंधी तूफान आने की संभावना है और 7 अगस्त, 2023 को कुछ स्थानों पर बारिश/आंधी की संभावना है। चेतावनी:4 और 6 अगस्त, 2023 को भारी से बहुत भारी वर्षा और बारिश/आंधी के साथ तीव्र बारिश का नारंगी अलर्ट जारी किया गया है और 5, 7 और 8 अगस्त के लिए ऐसी ही परिस्थितियों को लेकर येलो अलर्ट दिया गया है।

सामान्य सलाहकार:

27 जुलाई से 2 अगस्त तक राज्य के लिए वास्तविक वर्षा 67 मिमी थी जो सामान्य वर्षा (102 मिमी) के मुकाबले 34% की कमी दर्शाती है। 4-10 अगस्त के लिए विस्तारित सीमा पूर्वानुमान से पता चलता है कि राज्य में 99 मिमी सामान्य वर्षा के मुकाबले 58 मिमी बारिश हो सकती है जो 41% की कमी का प्रतिनिधित्व करती है। 26 जुलाई से 2 अगस्त तक जिलेवार साप्ताहिक वर्षा 99 मिमी थी जिसे सामान्य वर्षा की श्रेणी में रखा गया है और 4-10 अगस्त के लिए अनुमानित वर्षा को कम श्रेणी में रखा गया है। जिले और राज्य के लिए वर्षा पैटर्न स्पष्ट रूप से अत्यधिक परिवर्तनशील वर्षा पैटर्न को दर्शाता है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स कर सकते हैं गूगल प्ले स्टोर (Android उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। इससे उन्हें मदद मिलेगी कृषि गतिविधियों के संबंध में सही निर्णय लेना।

लघु संदेश सलाहकार:

राज्य में हल्की से भारी वर्षा हो सकती है, इसलिए सभी कृषि गतिविधियाँ तदनुसार की जानी चाहिए और खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	रोपे गए धान में मौसम साफ होने पर उर्वरकों और खरपतवारनाशी रसायनों का प्रयोग किया जा सकता है। धान के खेत की निराई 20 और 40 दिन के अंतराल पर करनी चाहिए. यदि श्रमिक उपलब्ध नहीं है, तो रोपाई के 3 दिन के भीतर ब्यूटाक्लोर 50 ई.सी. 3 लीटर प्रति हेक्टेयर या एनिलोफोस 30 ई.सी. 1.5 लीटर प्रति हेक्टेयर या प्रेटिलाक्लोर 50 ई.सी. 1.5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। सभी रासायनिक छिड़काव इष्टतम नमी की स्थिति में किए जाने चाहिए। कृषि की सारी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जनि चाहिए ।
गन्ना	आवश्यकताअनुसार फसल की दूसरी बंधाई कर लेनी चाहिए और वह पहली बंधाई के 50 से मी ऊपर होनी चाहिए। दो पंक्तियों के तीन थानों की बंधाई एक साथ (कैंची बंधाई) कर लेनी चाहिए। जल भराव की स्थिति में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और खेती संभंधित सारी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
मक्का	मक्का फसल की विलंबित बुआई अगस्त के प्रथम सप्ताह तक की जा सकती है। जून में बोई गई मक्का के लिए कम से कम दो बार निराई-गुड़ाई की जरूरत होती है, पहली 20 दिनों के अंतराल पर और दूसरा 35 दिन के अंतराल पर. मक्का के 2 फीट लंबा हो जाने पर यूरिया की टॉपड्रेसिंग करें. मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मी वर्म के नुकसान से बचने के लिए क्लोरान्ट्रा नीलीप्रोले 18.5 एससी का 0.4 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। हसभी रासायनिक छिड़काव और कृषि कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किए जाने चाहिए।
मूँग	इष्टतम मिट्टी की नमी की स्थिति में बुआई का कार्य महीने के मध्य तक पूरा किया जाना चाहिए। अंतिम माह में बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई का कार्य करना चाहिए। सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किए जाने चाहिए।
काला चना	इष्टतम मिट्टी की नमी की स्थिति में बुआई का कार्य महीने के मध्य तक पूरा किया जाना चाहिए। अंतिम माह में बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई का कार्य करना चाहिए। सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किए जाने चाहिए।
मूँगफली	मूंगफली में बुवाई के 15 -20 दिनों के अंतराल पे निराई कर लेनी चाहिए और खरपवारों को रासायनिक विधि से नष्ट करने के लियेलिए पेंडीमिथलीन 30 ई. सी., 3. 3 ली. या एलाक्लोर 50 ई. सी. की 4 ली. मात्रा को 500 -700 लीटर पानी मे घोलकर बुवाई के बाद और खरपतवारों के जमाव से पूर्व छिड़कना चाहिए। कोई भी रासायनिक छिड़काव पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
तिल	फसल में निराई-गुड़ाई करें और खेत में मिट्टी में इष्टतम नमी होने पर नत्रजन की टॉप-ड्रेसिंग करें। सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किए जाने चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद रोग लगने की संभावना रहती है इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दें और रस-चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए सर्वद्देशीय कीटनाशकों का छिड़काव करें। झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव के लिए मैंकोजेब 2.5 ग्राम/ लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम/लीटर को पानी में घोलें और छिड़काव करें। किसान भाइ ध्यान रखें कि छिड़काव मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए करना चाहिए।
कद्दू	कद्दु वर्गीय फसलों की पत्तियो पर अनियमित आकार में पीले धब्बे दिखाई पड़ने पर पत्तियो को उलटकर निरीक्षण करें यदि निचली सतह पर हल्के धूसक रंग की फॅफूदी की बढ़वार दिखाई दे तो नियत्रंण के लिए मेन्कोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।
आम	आम के बीज/गुठली की बुआई का कार्य अगस्त के प्रथम पखवाड़े में जारी रखना चाहिए। एक वर्ष पुराने अंकुर पौधा की ग्राफ्टिंग किसी अन्य स्थान पर रोपने के बाद करनी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशु के ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक कोई एक दवा 200 मिली मात्रा से सुबह-शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए।
गाय	पशु के ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक कोई एक दवा 200 मिली मात्रा से सुबह-शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए।
बकरा	छोटे रोमन्थी पशुओं, ओं ओं ओं ओं जैसे भेड़, बकरी एवं नवजात गो वत्स को बरसात के दिनों मे भीगने से बचाना चाहिए ताकि उनको सर्दी/ जुकाम/न्यूमोनिया नामक बीमारी न हों।